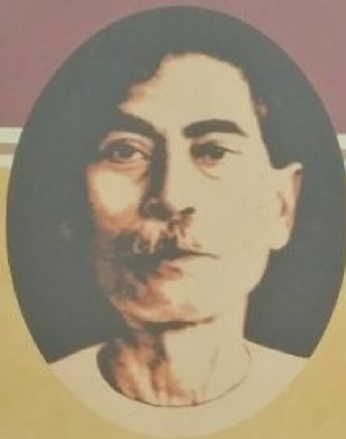

प्रेमचन्द स्मृति कथा सम्मान-2014

मानपत्र

हिन्दी कथा संसार में प्रतिष्ठित

सुश्री अल्पना मिश्र

को

यह सम्मान प्रदान करते हुए

हम गौरव का अनुभव करते हैं।

शिवमूर्ति
अध्यक्ष, निर्णायक मण्डल

मयंक खरे
महासचिव

प्रेमचन्द स्मृति कथा सम्मान आयोजन समिति, बाँदा (उ.प्र.)

वनमाली
कथा सम्मान
2017
हमारे समय की मान्य युवा कथाकार
अल्पना मिश्र
को
मंगलवार, 24 जनवरी 2017,
अंतरंग सभागार, भारत भवन, भोपाल
में प्रदत्त
वनमाली सृजन पीठ
साहित्य, संस्कृति एवं सृजन के लिये
• भोपाल • खण्डवा • बिलासपुर

वनमाली
सृजन पीठ

साहित्य, संस्कृति एवं सृजन के लिये

• भोपाल • खण्डवा • बिलासपुर

वनमाली कथा सम्मान 2016

डॉ. विनोद तिवारी

हिन्दी साहित्य के परिसर में डॉ. विनोद तिवारी एक बहुमान्य कथा आलोचक की छवि गढ़ने वाले बिरले रचनाकार हैं। अपने अकादमिक कौशल और गहन विश्लेषणात्मक दृष्टि के कारण आपके लेखन को पृथकता और प्रमुखता से रेखांकित किया जाता है।

23 मार्च 1973 को देवरिया उत्तरप्रदेश में जन्मे डॉ. विनोद तिवारी की दो आलोचना पुस्तकें नई सदी की दहलीज़ पर तथा परंपरा, सृजन और उपन्यास प्रकाशित व चर्चित हुई हैं। आपने दो निबंध कृतियों का संपादन तथा विजयदेव नारायण साही का मोनोग्राफ तैयार किया है। इन दिनों आप 'पक्षधर' पत्रिका का संपादन भी कर रहे हैं।

डॉ. विनोद तिवारी का लेखन मूलतः वैमर्शिक आलोचनात्मक और पाठ-केन्द्रित है जिसमें आप रचना के साथ न्याय करते हुए लेखक के आशयों की रक्षा करते हैं। पाठ को उसकी बहुस्तरीयता में उद्घाटित करने के अद्भुत कौशल से आप कृति को ऐतिहासिक स्थितियों व समकाल से जोड़कर देखते हुए उसके वैशिष्ट्य को उद्घाटित करते हैं। कहना होगा कि डॉ. विनोद तिवारी के लिए आलोचना एक नैतिक कर्म है। आप अध्ययन व्यसनी आलोचक हैं। नीर-क्षीर विवेक वाली अपनी आलोचना में आप अप्रिय सत्य कहने का जोखिम उठाते हैं। आपने अपने आलोचना के माध्यम से हिंदी आलोचना के समृद्ध परिसर का विस्तार किया है। इस क्रम में आपने आलोचना की नई भाषा एवं शब्दावली विकसित की है। गहन तार्किकता और चिंतनपरकता आपकी आलोचना के मूल में है। भारतीय तथा विश्व साहित्य पर आपका आलोचनात्मक लेखन इस बात का प्रमाण है कि समृद्ध प्रगतिशील आलोचकीय परम्परा को आप बखूबी आगे बढ़ा रहे हैं।

वनमाली सृजनपीठ, भोपाल डॉ. विनोद तिवारी को 'वनमाली युवा कथा आलोचना सम्मान 2016' से सम्मानित करते हुए गौरव का अनुभव करता है।

संतोष चौबे
अध्यक्ष
वनमाली सृजनपीठ, भोपाल

अठारहवां देवीशंकर अवस्थी सम्मान 2013

प्रशस्ति

विनोद तिवारी की पैनी और गहरी सूझ-बूझ में साहित्य और आलोचना का रिश्ता परस्पर आश्वासन और सहकार की नयी परतें खोलता है। अगली सदी के प्रवेश द्वार पर वे पिछले को खारिज करने की हड़बड़ी में नहीं बल्कि उसके प्रस्थान बिन्दुओं को अगली यात्राओं के रास्तों में प्रशस्त करने का पराक्रम साधने में व्यस्त दिखते हैं। इस क्रम में वे आलोचना की परिवर्तन-सापेक्ष नवता और आलोचक की साहसी दृष्टि के व्यवहार से रचना को 'देखने' की विरल क्षमता का प्रमाण देते हैं जो कृति के धीर और एकाग्र पाठ से अपने निष्कर्षों तक पहुँचती है। 'नयी सदी की दहलीज पर' इस दृष्टि से 'बीसवीं सदी से संवाद करते हुए नयी सदी का प्रस्थान' मानी जा सकती है।

विनोद तिवारी के लिये आलोचना-कर्म एक सचेत, तर्कशील, कठिन किन्तु चुना हुआ बौद्धिक अकादमिक दायित्व है। कबीर से लेकर प्रेमचंद, निराला, महादेवी, दिनकर, हजारीप्रसाद द्विवेदी और हिन्दी कहानी की नयी पीढ़ी और उसके समकालीन सच तक वे रचना के पाठ में समय, समाज और संस्कृति के बनते-बिगड़ते आयामों को पहचानते; कृति की अपनी विशिष्ट संरचना में इनको थामने की विधियां, युक्तियां और सलीका परखते; कृतिकार की वैयक्तिक सृजन-प्रक्रिया और उसकी विशिष्टता को रेखांकित करते हैं। कृति और कृतिकार की निजता और सामाजिक सांस्कृतिक व्यापकता के समवेत को रचना के अवचेतन में से बीन लाने की विरल क्षमता विनोद तिवारी की दायित्वपूर्ण आलोचना दृष्टि को परिभाषित करती है।

इस कठिन संकल्प के सफल निर्वाह के लिए वर्ष 2013 का 'देवीशंकर अवस्थी आलोचना सम्मान' विनोद तिवारी को दिया जाता है।

अजित कुमार | नित्यानन्द तिवारी | अशोक वाजपेयी | अर्चना वर्मा

5 अप्रैल 2014, साहित्य अकादेमी, रवीन्द्र भवन सभागार, नई दिल्ली

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT

विकलांगजन सशक्तिकरण विभाग
DEPARTMENT OF EMPOWERMENT OF PERSONS WITH DISABILITIES

विकलांगजन सशक्तिकरण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार - 2015
NATIONAL AWARD FOR THE EMPOWERMENT OF PERSONS WITH DISABILITIES - 2015

यह राष्ट्रीय पुरस्कार

प्रो. कुसुमलता मलिक

को नेत्रहीनता / अल्पदृष्टि की श्रेणी में
विकलांगजनों के रोल मॉडल के रूप में
उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित करने हेतु
प्रदान किया जाता है।

THIS NATIONAL AWARD IS GIVEN TO

Prof. Kusumlata Malik

IN PUBLIC RECOGNITION OF HIS/HER
OUTSTANDING PERFORMANCE AS
ROLE MODEL AMONG PERSONS WITH DISABILITIES
IN THE CATEGORY OF BLINDNESS / LOW VISION

लव वर्मा

सचिव भारत सरकार
Secretary to the Government of India

नई दिल्ली
New Delhi

दिनांक
Dated 03.12.2015

टेलीफैक्स / Telefax : 0562-2530684

केंद्रीय हिंदी संस्थान
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा–282005 (भारत)

Central Institute of Hindi
Ministry of Human Resource Development, Govt. of India
Hindi Sansthan Marg, Agra-282005 (India)

Regional Centres: Delhi, Hyderabad, Guwahati, Shillong, Mysore, Bhubneswar, Dimapur, Ahmedabad

दिनांक / Date

प्रोफ़ेसर मोहन निदेशक
Professor Mohan Director

फा.सं. 2-1(हिं.से.)/2014-15/ दिनांक : 24.04.2015

मान्यवर,

मुझे प्रसन्नता है कि केंद्रीय हिंदी संस्थान की **"हिंदी सेवी सम्मान योजना"** के अंतर्गत चयन समिति की अनुशंसा पर **वर्ष 2014 के सुब्रह्मण्य भारती पुरस्कार** से आपको सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है।

इस पुरस्कार के अंतर्गत सम्मान स्वरूप आपको **रु. 1,00,000/-(एक लाख मात्र), अंगवस्त्र (शॉल)** तथा **प्रशस्ति पत्र** प्रदान किया जाएगा।

आपसे अनुरोध है कि आप माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार एवं मंडल के माननीय अध्यक्ष महोदय के द्वारा दिए जाने वाले इस सम्मान को स्वीकार करने की कृपा करें। यह सम्मान शीघ्र ही **माननीय राष्ट्रपति जी के कर-कमलों द्वारा राष्ट्रपति भवन में** आयोजित होने वाले सम्मान समारोह में प्रदान किया जाएगा।

आपसे अनुरोध है कि सम्मान समारोह में वितरित की जाने वाली हिंदी सेवी परिचय पुस्तिका के लिए अपना **कंप्यूटर-टंकित संक्षिप्त जीवनवृत्त** एवं **पासपोर्ट साइज के दो अद्यतन रंगीन फोटोग्राफ** शीघ्रातिशीघ्र **(स्पीड-पोस्ट अथवा कोरियर द्वारा)** अधोहस्ताक्षरी को प्रेषित करने का कष्ट करें।

कृपया अपने संपर्क सूत्र (डाक-पता, फोन/मोबाइल नं., ई-मेल) से भी अवगत कराने का कष्ट करें।

सादर,

आपका

(signature: MZ)

(प्रो. मोहन)

निदेशक

प्रतिष्ठा में,

प्रो. श्यौराज सिंह 'बेचैन',
(प्रोफ़ेसर, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
1/122, वसुंधरा, गाज़ियाबाद-201012 (उ.प्र.)

मोबा. /Mob. : +91 9871115500, ई-मेल / E.Mail : khsdirector@gmail.com, mohanhindi_du@yahoo.co.in, directorofkhs@yahoo.co.in

DEPARTMENT FOR THE WELFARE OF SC/ST/OBC/MINORITIES

GOVT. OF NCT OF DELHI

CONSTITUTION DAY CELEBRATION

26th November 2015

Award of Appreciation

This is to award Dr./Mr./Ms. *Sheoraj Singh*

for his/her outstanding work to promote the philosophy of Dr. B.R. Ambedkar, at state level on the occasion of Constitution Day Celebration on 26th November, 2015.

Sanjay Pratap Singh
IAS
Principal Secretary
DEPARTMENT FOR THE WELFARE OF
SC/ST/OBC/MINORITIES, GOVT. OF NCT OF DELHI

3rd. International Dr. Ambedkar Conference of Paris (France)

(July 4th and 5th, 2014)

Certificate of International Literary Award to

Dr. Sheoraj Singh 'Bechain'

This international award is delivered to Dr Sheoraj Singh, Professor of Hindi at University of Delhi

For the contribution to Dalit movement, specially for Dalit Lierature, Poetry, Autobiography, Short Stories, Journalism, Research and the Literary Criticism in Hindi.

July 4th, 2014

Director

(Ram B. Gautam)

R Gautam

Ambedkar's Literary Vision, Inc.

P. O. Box- 9173, North Bergen, N.J. 07047 (USA)

BHARATIYA DALIT SAHITYA AKADEMI

भारतीय दलित साहित्य अकादमी

BHARATIYA DALIT SAHITYA AKADEMI

अप्पो दीपो भव

DR. AMBEDKAR NATIONAL AWARD - 2014

Prof. Sheoraj Singh 'Bechain'

1/122, Awas Vikas Colony, Vasundhara,
Gaziabad (U.P.) 201012

DR. AMBEDKAR NATIONAL AWARD - 2014

is Conferred by Bharatiya Dalit Sahitya Akademi in Recognition of the Commendable Literary, Social & Cultural Services Rendered by him for the Upliftment of Downtrodden-Oppressed & Depressed People of the Country.

The Akademi by honouring him also hope that he will work through out his life for Eradication of Prevailing Inequality, Conservativeness, Castiesm and Varn System for the Upliftment of Dalits, Exploited & Ignored Sections, and Downtrodden People of the Country for a New Horizon of Bharat Ratna Dr. Ambedkar Mission.

30th National Conference
of Dalit Writer, Delhi

13-14 December, 2014

(DR. S.P. SUMANAKSHAR)
NATIONAL PRESIDENT

केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल, आगरा

हिंदी सेवी सम्मान

भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा

हिंदी के विकास से संबंधित सर्जनात्मक/आलोचनात्मक साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए

प्रो. श्यौराज सिंह 'बेचैन'

को

वर्ष 2014 का सुब्रह्मण्य भारती पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र सम्मानपूर्वक प्रदान किया जाता है।

प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय
सचिव, केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल
एवं निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान

डॉ. [illegible] किशोर गोयनका
उपाध्यक्ष
[illegible] हिंदी शिक्षण मंडल

स्मृति ज़ूबिन इरा[illegible]
अध्यक्ष, केंद्रीय हिंदी शिक्षण [illegible] एवं
मानव संसाधन विकास मंत्री, भार[illegible] सरकार

[illegible] 2016